



परिचायिका 2026-27

प्राक्-शास्त्री

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 58

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय - CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY

2026-27

शान्तिपाठः

ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्षं शान्तिः पृथिवी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः
वनस्पतयः शान्तिर्विश्वेदेवाः शान्तिर्ब्रह्मशान्तिः सर्वं शान्तिः।
शान्तिरेव शान्तिः सामा शान्तिरेधि॥
यतो यतः समीहसे ततो नो अभयङ्कुरु।
शन्नः कुरु प्रजाभ्योऽभयन्नः पशुभ्यः॥
सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत्॥
सह नाववतु सह नौ भुनक्तु सहवीर्यं करवावहै।
तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै॥
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।

अनुक्रमणिका प्राक्शास्त्री (Prak-Shastri)

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	विश्वविद्यालय के मूल उद्देश्य/कार्य	5
2.	कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप <ul style="list-style-type: none">• अध्यापन• शिक्षण-प्रशिक्षण	7
3.	अनुसन्धान मुख्यालय एवं परिसर	8
4.	परिसर	9
5.	प्राक्शास्त्री स्तर कार्यक्रम	10
6.	शुल्क संरचना	11
7.	प्रवेश के लिए सामान्य नियम	12
8.	आरक्षण नीति	14
9.	सशस्त्र बलों के कर्मियों के बच्चे/विधवाएँ (CW) (Children/widows of personnel of the Armed Forces) (CW)	19
10.	(एकमात्र बालिका) (Single Girl Child)	21
11.	छात्रवृत्ति <ul style="list-style-type: none">• (नियम/अवधि) Rules/Duration• (वितरण) Disbursement	22
12.	छात्रावास (प्रवेश शुल्क वापसी नीति) (Admission fee Refund Policy)	24
13.	(जमानत राशि) (Caution money) (उपस्थिति एवं अवकाश नियम) (Attendance & Leave Rules)	25
14.	अनुशासन (Discipline)	27
15.	एंटी-रैगिंग नियम (Anti-Ragging Rules)	28
16.	प्राक्शास्त्री में उपलब्ध स्थान	31

अनुशासा

‘योऽनूचानः स नो महान्’ इति ध्येयवाक्यं स्मारं स्मारम् अयं विश्वविद्यालयः संस्कृतेन संस्कृतस्य संस्कृताय जगद्धिताय च अध्ययनानुसन्धानादिकर्तुं कारयितुं च सर्वथा प्रवृत्तः इति दृढो मे प्रत्ययः। अयं हि विश्वविद्यालयः संस्कृतस्य संरक्षणाय सम्पोषणाय संवर्धनाय प्रचाराय प्रसाराय कटिबद्धः सन्तत्सम्बद्धशास्त्राणां नैकेषां विषयाणामपि अध्ययनानुसन्धानादिप्रचारप्रसारद्वारा अतिजवेन ब्रजन्दृश्यते। ज्ञानविज्ञानप्रौद्योगिक्या सह वेदवेदाङ्गादिभिः सार्धमन्यानिशास्त्राणि भारतीयदर्शनानि च सम्पूर्णे जगति विलसन्तु तत्प्रभावाच्च सर्वतोमुखि-प्रतिभासम्पन्नभारतीयज्ञानपरम्परासमृद्धाधुनिकज्ञानविज्ञानप्रौद्योगिकि-दक्षबहुभाषाविद्-सच्चिन्तनशील-नैतिकमूल्य-युक्त-गतिशील-राष्ट्रभक्त-नागरिकाणां निर्माणं भवतु इति ध्येयेन सह केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः नवदेहलीस्थः भारतसर्वकारस्य माननीयप्रधानमन्त्रिणः नेतृत्वे माननीयशिक्षामन्त्रिणः कुलाधिपतेश्च मार्गदर्शने च अहर्निशं प्रगतिपथम् अधिरोहति।

संस्कृतशिक्षायां युगानुकूलता समायोजनीया। शिक्षा तावत्यथा ज्ञानदायिनी संस्काराधायिका तथा भुक्तिकरी अपि भवेत्। अद्यतनानां जीविकामार्गाणां वृत्तिपराणां तत्र समावेशः सुतरामपेक्षितः। संस्कृतमूलानां भारतविद्याशास्त्रानां जीवनोपयोगिनां सन्तुलन-संयोजनेन संस्कृतशिक्षा लोकोपकारिणी लोकमान्या अत एव सर्वजनोपादेया भवति। एतस्यां दिशि राष्ट्रियशिक्षानीतेः अनुष्ठानं नितराम् उपकरोति। तदर्थमयं प्रथमः पदनिक्षेपः।

ध्येयस्य लक्ष्यस्य च परिपूर्त्यर्थं भारतसर्वकारस्य राष्ट्रियशिक्षानीतेः (2020) अनुपालनं कुर्वन् विश्वविद्यालयोऽयं शैक्षिकसत्र 2022-23 तः मुख्यरूपेण अधोलिखित-कार्ययोजनायाः अनुष्ठानं चिकीर्षति-

- ==> चतुर्वर्षीयस्नातकप्रतिष्ठापाठ्यक्रमः (चतुर्थवर्ष पूर्णतः शोधकार्यस्य कृते समर्पितम्)
- ==> एकवर्षीयस्नातकोत्तरपाठ्यक्रमः (चतुर्वर्षीयस्नातकप्रतिष्ठापाठ्यक्रमोत्तीर्णच्छात्राणां कृते)
- ==> पञ्चवर्षीयसंसृष्टस्नातकस्नातकोत्तरपाठ्यक्रमः
- ==> द्विवर्षीयस्नातकोत्तरपाठ्यक्रमस्य द्वितीयवर्ष पूर्णतः शोधकार्यस्य कृते समर्पितम्।
- ==> त्रिवर्षीयस्नातकपाठ्यक्रमोत्तीर्णच्छात्राणां कृते-
 - * एकैकस्य वर्षस्य अध्ययनानन्तरं प्रमाणपत्रप्रदानविधिः
 - * बहुविकल्पक-प्रवेशनिर्गमविधिः (Multiple entry and exit option)
 - * चयनाधारित-विषयग्रहणविकल्पविधिः (CBCS)
 - * मूलविषयेण सह यथेष्टविषयग्रहण-विकल्पविधिः
 - * अन्तःसम्बद्धविषय ग्रहणविधिः (Interdisciplinary)
 - * बहुविषयग्रहण-तन्त्र्यविधिः (Multidisciplinary)
 - * क्रेडिटसंरक्षण-परिवर्तनविधिः (ABC)
 - * दक्षता-संवर्धनपाठ्यांशाः (Ability enhancement)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

- * कौशलसंवर्धनोपायाः (Skill enhancement)
- * नैतिकमूल्याधारितपाठ्यांशाः (Value based)
- * शास्त्रेतर-गतिविधयः (ECA)
- * पारदर्शिपरीक्षाप्रत्यायनमूल्याङ्कनविधिः

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत्॥

इति मन्त्रं स्वीकृत्य उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैतिलक्ष्मीः दैवेन देयमिति कापुरुषा वदन्ति इति सिद्धान्तम् अनुपालयन्तः विश्वविद्यालयस्य आचार्याः, अधिकारिणः, कर्मचारिणः, गवेषकाः अन्तेवासिनश्च स्वातन्त्र्यम् अनुभवन्तः सुखेन स्वस्वकर्मणिरताः भवेयुः। प्राचीनकाले यथा भारतवर्षं विश्वगुरुः आसीत्तथैव अद्यापि भारतीयज्ञानपरम्परायाः आधुनिकप्रौद्योगिकिमाध्यमेन प्रचारं-प्रसारं च कृत्वा भारतवर्षं विश्वगुरुः भवेत्।

प्रो. श्रीनिवासवरखेडी

कुलपतिः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय-संस्कृत-संस्थान की संस्थापना 15 अक्टूबर, 1970 में सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में पूरे देश में संस्कृत के समग्र विकास तथा प्रोन्नयन हेतु हुई थी। अपने निर्माण काल से ही यह भारत-सरकार द्वारा पूर्णरूपेण प्रदत्त निधि है। यह संस्कृत के प्रचार-प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत रहा है तथा संस्कृत विद्या के विकास हेतु विभिन्न योजनाओं तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की सहायता करता रहा है। संस्कृत भाषा के संरक्षण, प्रसार तथा विकास और इसके सभी पक्षों की शिक्षा हेतु 1956 में भारत सरकार, शिक्षा मन्त्रालय द्वारा स्थापित 'संस्कृत आयोग' की विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसने एक केन्द्रीय अभिकरण के रूप में भूमिका निभाई है।

संस्थान के पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में योगदान, इसके श्रेष्ठ प्रकाशनों और इसके द्वारा 58,000 से भी अधिक दुर्लभ संस्कृत पाण्डुलिपियों के संरक्षण तथा प्रबन्धन को महत्त्व देते हुए, भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया, जो अधिसूचना संख्या एफ. 9-28/2000 यू 3 के अन्तर्गत है तथा जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी.-1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया।

विगत दशकों में संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान ने अग्रणी भूमिका का निर्वाह किया। फलतः भारत सरकार ने राष्ट्रीय-संस्कृत-संस्थान को भारत के राजपत्र (विधि और न्याय मन्त्रालय) सं CG-DL-E-25032020-218916 दिनांक 25 मार्च, 2020 तथा राजपत्र संख्या CG-DL-E-17042020-219068 (मानव संसाधन विकास मन्त्रालय) के अनुसार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में स्वीकृति प्रदान की। जिसके अनुसार राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान दिनांक 30 अप्रैल, 2020 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

विश्वविद्यालय के मूल उद्देश्य :

संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार की सुविधा प्रदान करना और ज्ञान की अन्य शाखाओं का विस्तार और प्रोन्नयन करना, अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान में एकीकृत पाठ्यक्रमों का विशेष रूप से प्रावधान करना; शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया और अंतर-विषयात्मक अध्ययन और अनुसंधान में नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए उचित उपाय करना; संस्कृत और संस्कृत पारंपरिक विषयों के क्षेत्र में समग्र विकास, संवर्धन, संरक्षण और अनुसंधान के लिए नई पीढ़ी को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

विश्वविद्यालय के प्रमुख कार्य

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- v विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- v माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि हेतु शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।
- v शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) तथा शिक्षाचार्य (एम.एड;) स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण का संचालन करना।
- v उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग करना।
- v संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन करना।
- v स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र प्रदान करना।
- v विजिटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उनको प्रदान करना।
- v मुक्तस्वाध्यायपीठ के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन करना।
- v संस्कृत, पालि तथा प्राकृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार की योजनाओं को केन्द्रीय अभिकरण के रूप में कार्यान्वयित करना।

संस्कृत के विकास के लिए दस-वर्षीय भावी योजना में विज्ञान एवं मिशन के अंतर्गत अष्टादशी-परियोजनाएं

- | | |
|--|--|
| v ज्ञानात्मक साहित्य अनुवाद परियोजना | v पाण्डुलिपियों का संपादन एवं प्रकाशन |
| v डिजिटल एवं ऑन-लाइन परियोजना | v ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम परियोजना |
| v समकालीन साहित्य परियोजना | v सांध्यकालीन विद्यालय परियोजना |
| v प्रौद्योगिकी अनुकूलन परियोजना | v कम्प्यूटर शिक्षा परियोजना |
| v द्विवार्षिक संस्कृत पुस्तक मेला परियोजना | v जनता तक पहुँच परियोजना |
| v शब्दशाला परियोजना | v दुर्लभ पुस्तकों का पुनः प्रकाशन परियोजना |
| v आवासीय प्रशिक्षण परियोजना | v संस्कृत-आधुनिक विषयों की समेकन परियोजना |
| v इंटरनेट परियोजना के लिए सहायता | v बाल साहित्य परियोजना |
| v संस्कृत परियोजना के माध्यम से योग | v संस्कृत माध्यम से आयुर्वेद |

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप :

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है। जिसका विवरण इस प्रकार है :

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक स्तर पर शिक्षक-प्रशिक्षण शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।
- विजिटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वजीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।
- संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

अध्यापन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अपने तेरह परिसरों में विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्-शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है। स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं।

शिक्षक-प्रशिक्षण

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा-आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन पुरी, जयपुर तथा भोपाल परिसरों में किया जाता है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

अनुसन्धान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच्.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है। यद्यपि संस्कृत की चयनित शाखाओं में गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद विशेष रूप से अनुसन्धान गतिविधियों को समर्पित हैं। परिसर का पुस्तकालय देश के सबसे उच्च पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय में 57,957 से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ संरक्षित हैं।

- प्रकाशन
- शोध पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें
- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसरों में शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं।
- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं परिसरों द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन किया गया है। प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 611 दुर्लभ एवं अनुपलब्ध पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।
- संस्कृत वार्ता एक तिमाही समाचार बुलेटिन का भी नियमित रूप से प्रकाशन किया जाता है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का मुख्यालय एवं परिसर

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ इसके मुख्यालयाधीन विभिन्न विभागों, अनुभागों व इकाइयों द्वारा सञ्चालित हैं जो कि अधोनिर्दिष्ट है:

01. सामान्य, वैयक्तिक, परिसरीय, शैक्षिक एवं प्रशासनिक अनुभागों का प्रशासन
02. वित्त अनुभाग
03. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
04. परीक्षा अनुभाग
05. शैक्षणिक अनुभाग
06. पुस्तकालय
07. विक्रय ईकाई
08. योजना अनुभाग
09. छात्रवृत्ति अनुभाग
10. आदर्श महाविद्यालय/शोध संस्थान
11. परियोजना विभाग
12. पालि एवं प्राकृत विभाग
13. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
14. पत्राचार पाठ्यक्रम
15. मुक्तस्वाध्यायपीठम्

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

परिसर :

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन सुचारु रूप से किया जा रहा है :

परिसरों के नाम स्थान

01. श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज, उत्तरप्रदेश
02. श्री सदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा
03. श्री रणवीर परिसर, जम्मू, जम्मू और कश्मीर
04. गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर, केरल
05. जयपुर परिसर, जयपुर, राजस्थान
06. लखनऊ परिसर, लखनऊ, उत्तरप्रदेश
07. श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी, कर्णाटक
08. वेद व्यास परिसर, बलाहर, हिमाचलप्रदेश
09. भोपाल परिसर, भोपाल, मध्यप्रदेश
10. के.जे. सौमैया परिसर, मुम्बई, महाराष्ट्र
11. दिल्ली परिसर (मुख्यालय) जनकपुरी, नई दिल्ली
12. एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा
13. श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

दिल्ली परिसर से पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। दिल्ली परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास उपलब्ध हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधोनिर्दिष्ट नियमित पाठ्यक्रमों (कार्यक्रमों) को अपने परिसरों के माध्यम से सञ्चालित करता है।

पाठ्यक्रम	समकक्षता
1. उत्तरमध्यमा/प्राक् शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
2. शास्त्री	बी.ए.
3. आचार्य	एम.ए.
4. शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5. शिक्षा आचार्य	एम.एड.
6. विद्यावारिधि	पी-एच.डी

**REGULAR PRAK-SHASTRI PROGRAMME ON OFFER FOR
ADMISSION FOR THE ACADEMIC YEAR 2026-27**

Duration: 4 Semesters for the 2-year Prak shastri Programme {Prak shastri(+2)}

Pattern: Semester/CBCS as per NEP 2020 with multiple entry & exit options.

Age: In accordance with Notification No. 9-1/CSU/Dean/Acd./2022-23/108 dated 21.04.2023, and in alignment with the principles of the National Education Policy (NEP), no specific upper age limit has been prescribed for admission to various programmes of the University. Accordingly, relaxation in the upper age limit may be considered, wherever deemed appropriate.

Further, as per Resolution No. 24 of the Dean's Council Meeting held on 24 July 2025, the Hon'ble Vice-Chancellor has been authorized to take a final decision in matters relating to age criteria and relaxation.

However, in exceptional cases where a significant age difference may pose practical challenges in classroom adjustment or academic integration, the concerned Local Admission Committee and the Director of the Campus shall be empowered to take an appropriate decision, keeping in view the academic environment and overall institutional interest.

Eligibility: Admission to the course in a campus/Affiliated Institution is through a merit list prepared on the basis of an Entrance test conducted by the respective campus/Affiliated Institution and Pass in any one of the following examinations equivalent to 10th with 35% of Marks:

- 1) S.S.C. / CBSE / equivalent NIOS programme.
- 2) Purva Madhyama of
 - (a) Central Sanskrit University (CSU), New Delhi or
 - (b) Sampurnananda Sanskrit University, Varanasi.
- 3) Sanskrit Entrance Exam. of Govt. of AP / Telangana.
- 4) Veda Bhushan Certificate of Maharshi Sandipani Rashtriya Veda Vidya Pratishthan, Ujjain.

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

- 5) Equivalent examination from any State Board of School Education, or University with or without Sanskrit as one of the subjects.

The CSU reserves the right to admit the students through Special Admission Drive with appropriate eligibility criteria & conditions to fill the leftover vacancies.

Programme Structure & Seat Allocation of Campuses.

Medium of Instruction: Sanskrit (for Traditional subjects), English & Hindi (for Modern subjects) & Concerned Languages for the Language.

**Fee structure for
Prak Shastri {+2} (2 year) programme**

1st, 3rd Semester Fee -

SL.No.	Items	Fee in Rupees
1	Admission process fee	200
2	Admission Fee	300
3	Enrolment Fee	100
4	Library Caution Money	400
5	Identity Card	100
6	Student Fund Fee	400
7	Magazine Fee	100
8	Library Utility Fee	100
9	Sports Fee	100
10	Various Activities, Art/Craft Fee	125
11	Tuition Fee	500
Total	For GEN/EWS/OBC	2425
Fee	For SC/ST/PWD/CW	1213

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

2nd, 4th Semester fee –

SL.No.	Items	Fee in Rupees
1	Librabry Utility Fee	100
2	Sports Fee	100
3	Various Activities, Art/Craft Fee	125
4	Tuition Fee	500
Total Fee	For all Students	825

GENERAL RULES FOR ADMISSION

A APAAR Registration will be mandatory for Students.

1. The candidates seeking admission to various subjects should submit the application on the Samarth Portal only.
2. The candidates must upload the required documents in support of the application for the programme, failing which the application will be summarily rejected.
3. At the time of admission, the candidates are required to submit the following documents:-
 - Copy of Provisional/Pass certificate of the last qualifying examination.
 - Copy of Mark List obtained in each examination right from Matriculation/SSC to the last qualifying examination.
 - Original Transfer certificate.
 - Original Study Certificate.
 - Original Migration Certificate.
 - Original Conduct Certificate.
 - Copy of Date of birth Certificate.
 - Copy of Aadhar Card.
 - Copy of ABC (Academic Bank of Credits) ID
 - Copy of OBC Caste & Income Certificate.
 - Copy of SC,ST Certificate.
 - Copy of EWS & Income Certificate wherever applicable, valid for the year of admission.
 - Medical Fitness Certificate (After admission will be done by concerned

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

Campus/Affiliated Institution)

- Submitting the proof of Anti ragging in the campus by registering through Anti-ragging.in
 - Passport Size photos and other documents are required at the time of submission of form in Campus/Affiliated Institutions.
4. Incomplete applications in any respect and those received after the due date will be rejected.
 5. Students will be admitted to the University in accordance with the rules governing eligibility, merit, good conduct etc., as determined by the University from time to time and as per the rules existing on the date of actual admission after interview.
 6. A relaxation of 5% of marks is allowed for SC/ST students in their qualifying examination. Admission will be confirmed after personal interview and/or the written test of candidates, as the case may be.
 7. The names of the student will be removed from the rolls or he/she may be expelled, if he/she does not follow the conduct described by University.
 8. The University reserves the right to run or not run any programme during the year depending on the number of applications received for a particular programme.
 9. A student enrolled for Shastri Pratishtha in any subject has to under-go Oral Examinations i.e., Shastric Debate/Vakyartha etc. mandatorily.
 10. The applicants' maximum age at the time of admission in Shastri/Shastri Pratistha is 22 year for General Category/EWS, 25 for SC/ST/OBC/PWD and there is no age limit for female applicant.

Reservation Policy in CSU

The Central Sanskrit University is one of the prestigious universities when it comes to the content and quality of education in India. All the students across the country want to get admission in this University. But taking admission in this University shall be easy if you belong to a reserved category in CSU. Read the entire article to know about reservation in CSU.

Reservation of Seats for Scheduled Caste (SC) and Scheduled Tribe (ST)

Reservation of Seats for Scheduled Caste (SC) 15% and Scheduled Tribe (ST) 7.5% of the total numbers of seats.

The Candidate must be in possession of the Caste/Tribe certificate in his/her own name at the time of Registration and Admission. The Caste certificate should clearly state:

- Name of his/her caste/tribe
- Whether candidate belongs to SC or ST
- District and the State or Union Territory of Candidate's usual place of residence, and
- the appropriate Govt. of India Schedule under which his / her caste /tribe is approved as SC or ST.

Candidate will have to produce the valid original SC or ST caste/tribe certificate at the time of admission.

The following are empowered to issue the requisite SC / ST certificate:

- District Magistrate / Additional District Magistrate / Collector / Deputy Commissioner / Addl. Deputy Commissioner / Deputy Collector / 1st class Stipendiary Magistrate / City Magistrate / Sub-Divisional Magistrate / Taluka Magistrate / Executive Magistrate / Extra Assistant Commissioner.
- Chief Presidency Magistrate / Addl. Chief Presidency Magistrate / Presidency Magistrate.
- Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.

- d. Sub- Divisional Officer of the area where the Candidate and/ or his family normally resides.
- e. Administrator/Secretary to the Administrator/Development Officer (Lakshadweep Islands). Candidates to note that the SC / ST Certificate from any other person / authority shall not be accepted in any case. If the Candidate happens to belong to SC or ST, Candidate's caste / tribe must be listed in the appropriate Govt. of India Schedule.

It is a statutory obligation on the part of Campuses/Affiliated Institutions to fill all seats reserved for Scheduled Caste / Scheduled Tribe Candidates.

Campuses/Affiliated Institutions shall not refuse admission to any SC / ST Candidate on the basis of medium of instruction. Any deficiency in the knowledge of any particular language should be addressed; for this purpose remedial classes may be arranged by the Campuses/Affiliated Institutions by utilizing grants available from University Grants Commission.

**Reservation of Seats for Other Backward Classes
(OBC, Non-Creamy Layer, Central List)**

Reservation of Seats for Other Backward Classes (OBC, Non-Creamy Layer, Central List) 27% seats are reserved for the Candidates.

At the time of giving admission to an OBC Candidate, the Campuses/Affiliated institutions will ensure that the caste is included in the Central List of OBC (the OBC status is to be determined on the basis of the Central (Govt. of India) List of OBCs notified by the Ministry of Social Justice and Empowerment on the recommendations of the National Commission for Backward Classes (available at the website http://ncbc.nic.in/backward_classes/index.html.)

The certificate must mention non-creamy layer status of the Candidate (Non-creamy layer status issued by an authority mentioned in DOPT Office Memorandum no. 36012/22/93- Estt. (SCT) dated 15.11.1993).

The OBC Candidates who belong to the 'Non-Creamy Layer' and whose caste appears in the Central List of the OBCs only, shall be eligible to be considered for admission under the OBC category (Validity period of OBC certificate in respect of 'non-creamy layer' status of the Candidates as per DOPT Office Memorandum.

It is a statutory obligation on the part of Campuses/Affiliated Institutions to fill all the seats reserved for OBC Candidates.

**Reservation policy for
Economically Weaker Sections (EWS)**

As per the Government of India's notification O.M. No.36039/1/2019-Estt(Res) on 31.01.2019, for the reservation for Economically Weaker Sections (EWSs) Category, the University Departments / Centres / Campuses/Affiliated Institutions have reserved 10% seats for admission of candidates belonging to EWS category .

Admission to Horizontal Reservation Categories

1. Persons with Benchmark Disabilities (PwBD)

A. Locomotor Disability Locomotor disability

(a person's inability to execute distinctive activities associated with movement of self and objects resulting from affliction of musculoskeletal or nervous system or both), including—

1. "leprosy cured person" means a person who has been cured of leprosy but is suffering from— i) loss of sensation in hands or feet as well as loss of sensation and paresis in the eye and eye-lid but with no manifestation of deformity; ii) manifest deformity and paresis but having sufficient mobility in their hands and feet to enable them to engage in normal economic activity; iii) extreme physical deformity as well as advanced age which prevents him/her from undertaking any gainful occupation, and the expression "leprosy cured" shall construed accordingly;
2. "Cerebral palsy" means a Group of non-progressive neurological condition affecting body movements and muscle coordination, caused by damage to one or more specific areas of the brain, usually occurring before, during or shortly after birth;
3. "Dwarfism" means a medical or genetic condition resulting in an adult height of 4feet 10 inches (147 centimeters) or less;
4. "Muscular Dystrophy" means a group of hereditary genetic muscle disease that weakens the muscles that move the human body and persons with multiple dystrophy have incorrect and missing information in their genes, which prevents them from

making the proteins they need for healthy muscles. It is characterized by progressive skeletal muscle weakness, defects in muscle proteins, and the death of muscle cells and tissue;

5. “Acid attack victims” means a person disfigured due to violent assaults by throwing of acid or similar corrosive substance.

B. Visual impairment

6. “blindness” means a condition where a person has any of the following conditions, after best correction i) total absence of sight; or ii) visual acuity less than 3/60 or less than 10/200 (Snellen) in the better eye with best possible correction; or iii) limitation of the field of vision subtending an angle of less than 10 degree.
7. “Low-vision” means a condition where a person has any of the following conditions, namely: i) visual acuity not exceeding 6/18 or less than 20/60 upto 3/60 or upto 10/200 (Snellen) in the better eye with best possible corrections; or ii) limitation of the field of vision subtending an angle of less than 40 degree upto 10 degree.

C. Hearing Impairment

8. “Deaf” means persons having 70 DB hearing loss in speech frequencies in both ears;
9. “Hard of hearing” means person having 60 DB to 70 DB hearing loss in speech frequencies in both ears;
10. “Speech and language disability” means a permanent disability arising out of conditions such as laryngectomy or aphasia affecting one or more components of speech and language due to organic or neurological causes.

D. Intellectual Disability

A condition characterised by significant limitation both in intellectual functioning (reasoning, learning, problem solving) and in adaptive behaviour which covers a range of every day, social and practical skills, including—

11. “Specific learning disabilities” means a heterogeneous group of conditions wherein there is a deficit in processing language, spoken or written, that may manifest itself as a difficulty to comprehend, speak, read, write, spell, or to do mathematical calculations and includes such conditions as perceptual disabilities, dyslexia, dysgraphia, dyscalculia, dyspraxia and developmental aphasia;

12. “Autism spectrum disorder” means a neuro-developmental condition typically appearing in the first three years of life that significantly affects a person’s ability to communicate, understand relationships and relate to others, and is frequently associated with unusual or stereotypical rituals or behaviours.

E. Mental Illness “Mental illness”

means a substantial disorder of thinking, mood, perception, orientation or memory that grossly impairs judgment, behaviour, capacity to recognise reality or ability to meet the ordinary demands of life, but does not include retardation which is a condition of arrested or incomplete development of mind of a person, specially characterised by subnormality of intelligence.

F. Disability caused due to Chronic neurological conditions, such as—

13. “Multiple sclerosis” means an inflammatory, nervous system disease in which the myelin sheaths around the axons of nerve cells of the brain and spinal cord are damaged, leading to demyelination and affecting the ability of nerve cells in the brain and spinal cord to communicate with each other;
14. “Parkinson’s disease” means a progressive disease of the nervous system marked by tremor, muscular rigidity, and slow, imprecise movement, chiefly affecting middle-aged and elderly people associated with degeneration of the basal ganglia of the brain and a deficiency of the neurotransmitter dopamine.

G. Blood Disorder

15. “Haemophilia” means an inheritable disease, usually affecting only male but transmitted by women to their male children, characterised by loss or impairment of the normal clotting ability of blood so that a minor wound may result in fatal bleeding.
16. “Thalassemia” means a group of inherited disorders characterised by reduced or absent amounts of haemoglobin.
17. “Sickle cell disease” means a haemolytic disorder characterised by chronic anaemia, painful events, and various complications due to associated tissue and organ damage; “haemolytic” refers to the destruction of the cell membrane of red blood cells resulting in the release of haemoglobin.

H. Multiple Disabilities

(more than one of the above specified disabilities) Multiple disabilities including deaf blindness which means a condition in which a person may have combination of hearing and visual impairments causing severe communication, developmental, and educational problems.

Candidates must ensure that the PwBD certificate is in the name of the candidate and issued by a recognized Government Hospital, bearing duly attested photograph of the candidate.

2. Children/Widows of Personnel of the Armed Forces (CW)

Five percent (5%) of seats are reserved for Candidates under this category, program-wise in all campuses/Affiliated Institutions.

All such Candidates have to upload the Educational Concession Certificate (ECC) issued by any of the following authorities on the proper letterhead:

- (a) Secretary, Kendriya Sainik Board, Delhi.
- (b) Secretary, Rajya Zila Sainik Board.
- (c) Officer-in-Charge, Record Office.
- (d) 1st Class Stipendiary Magistrate.
- (e) Ministry of Home Affairs

(For Police Personnel in receipt of Gallantry Awards)

No other format shall be permissible. Proofs of the CW category in the form of ID card of parent or dependent, Medical card, Ration card, CSD card, etc. are not admissible in lieu of certificate in correct format. The priority must be clearly mentioned in the certificate. Certificates that do not mention the relevant priority will not be considered*.

Admission may be offered to the Children/Widows of Personnel of the Armed Forces (Priority to IX) including Para- Military Personnel (only Priority I to V), in the following order of preference:

- | | |
|-------------|--|
| Priority I | Widows/Wards of Defence personnel killed in action; |
| Priority II | Wards of Defence Personnel disabled in action and boarded out from service with disability attributable to military service; |

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

- Priority III Widows/Wards of Defence Personnel who died while in service with death attributable to military service;
- Priority IV Wards of Defence Personnel disabled in service and boarded out with disability attributable to military service.
- Priority V Wards of Ex-servicemen and Serving personnel, including personnel of police forces who are in receipt of Gallantry Awards;
- i) Param Vir Chakra
 - ii) Ashok Chakra
 - iii) Maha Vir Chakra
 - iv) Kirti Chakra
 - v) Vir Chakra
 - vi) Shaurya Chakra
 - vii) President's Police Medal for Gallantry/President Gallantry Medal for the fire services personnel
 - viii) Sena Medal (Gallantry), Nau Sena Medal (Gallantry), Vayu Sena Medal (Gallantry)
 - ix) Mention-in-Despatches
 - x) Police Medal for Gallantry/Gallantry Medal for fire services.
- Priority VI Wards of Ex-Servicemen.
- Priority VII Wives of:
- i. Defence personnel disabled in action and boarded out from service.
 - ii. Defence personnel disabled in service and boarded out with disability attributable to military service
 - iii. Ex-servicemen and serving personnel who are in receipt of Gallantry Awards.
- Priority VIII Wards of Serving Personnel.
- Priority IX Wives of Serving Personnel

3. Single Girl Child

Single Girl Child means the only child i.e. only girl child to the partents, with no other siblings.

Two seats reserved for Single Girl Children in each campus/Affiliated Institution. It includes twin girl children also.

- a) In case of twin girls, it will be treated as one admission.
- b) While drawing the lot, name of both girls(twin) should be written on a single slip/ inte linked.
- c) In case of single girl child (Including twin girl children), if number of applications are more than the number of allotted seats the admission should be granted on the basis of merit (CUET Entrance Test score or Campus Entrance Test score).

Scholarship:

Objective

The main purpose of granting scholarship to the students of the CSU is to encourage the students to receive Sanskrit education.

Eligibility for Scholarship-

1. 100 percent scholarship (Rs.900/- per month) for just 10 months only for the students who have passed the CUET Entrance test or Entrance Test conducted by Campus with 60% (Gen/Ews/Obc category), 50% (Sc/St/Pwd) score.
2. The scholarship shall be awarded on merit basis. The students, in whose favour the scholarship has been sanctioned in the first year of the course, shall continue to receive the same till the duration of the course, if they are declared pass every year and continue to be eligible for scholarship. But, if they are declared promoted in any subject or paper, or are held up for Compartment, they shall not be considered for grant of scholarship for the rest of the years of the course.
3. Eligible students from II year may also be considered for grant of scholarship, if some scholarships are available.

Rules for grant of scholarship

1. The grant of scholarship shall depend upon educational progress, good conduct and regular attendance.
2. The scholarship shall be granted for 10 months in a year.
3. Every year, or upon passing an examination, a fresh selection of students for the grant of scholarship shall be made. The students who have completed their syllabus, or have passed a part of the exam, shall be awarded scholarship in the New Year or course on the basis of merit.
4. A student getting scholarship on the basis of above rules shall not receive any scholarship, salary, fees etc. from any other source. If he/she is receiving such income, he/she shall have to leave that employment and return the money received. In case, he/she unexpectedly receives some prize, in cash or any other mode, equivalent to or less than the

amount of his/her scholarship, he /she shall not be deemed unfit for receiving the scholarship. Similarly, he /she shall be allowed to avail of free education provided by the university, hostel facilities for self-study, books and travel facilities.

The amount of scholarships may be increased or decreased by the CSU any time.

The scholarships shall be disbursed only upon receipt of financial approval and the amount approved from the University. For receipt of the scholarship, 75% attendance and maintenance of discipline are a must. The scholarship may be suspended or cancelled, in case some teacher or employee of the CSU complains of indiscipline by the student. The selection process for scholarship the student must apply for scholarship on a prescribed form. After a scrutiny of the applications, the Director shall grant approval for award of scholarship, under rules, on the basis of the merit.

Duration of scholarship

- a) The duration of the scholarship shall be 10 months in a session.
- b) Depending upon the eligibility criteria, the scholarship shall be from the first or second year to the last year of the course.
- c) The scholarship, once cancelled, shall not be resumed without the prior permission of the CSU.
- d) Satisfactory conduct and regular attendance are the basic conditions of the scholarship. If the attendance of a student falls below 75% in any month, in any subject, he shall not be given scholarship till the time he does not complete the mandatory 75% attendance. In case, a student remains continuously absent for 30 days, he shall be given scholarship only after deducting the amount due during the period of absence, even if the overall percentage of his attendance is above 75%.
- e) Student should open a bank account as per direction of concerned Campus.

Disbursement -

Normally, the director of concerned campus shall order the disbursement of scholarship amount to the students' bank account in the first week of every month, on the recommendation of the Scholarship Committee which the committee shall make after

taking into consideration the percentage of attendance by the student. The scholarship shall begin from the date the student actually starts attending the classes.

HOSTEL

Almost Boys & Girls hostel facilities are available in all the campuses of the CSU. The Campuses of the Sansthan will follow prescribed hostels rules which will be displayed by respective Campus in their hostels.

DRESS CODE FOR STUDENTS

Students have to wear uniform, as decided by the Director/Principal of the concerned campus/Affiliated Institution.

CANCELLATION OF

ADMISSION AND ADMISSION OF WAIT-LISTED CANDIDATES

Admission of the candidates who do not complete all the admission-related formalities in time would be cancelled and in their place the wait-listed candidates would be admitted in order of merit, provided they also complete their admission-related formalities within stipulated time. Note:

- A) In case, a candidate manages to get admission on the basis of information which is later found to be false, his admission would be cancelled without assigning any reason, and the CSU would not be held accountable for the same.
- B) In case, there is discrepancy between the rules mentioned in this prospectus, and the rules which the Sansthan may have published or indicated in the past from time to time through its notifications, the latter (I.e. the rules published by the CSU) would be applicable, getting preference over the former.

Admission Fee Refund policy –

As per notification of UGC regarding Refunds of Fee and Non-Retention of Original Certificates, October, 2018 the following structure may be applicable for refund fees, if a student chooses to withdraw from the programme of the study in which he/she is enrolled-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

S.No.	Percentage of Refund Fees	Point of time when notice of withdrawal of admission is received in the CSU
1	100%	15 days or more before the formally-notified last date of admission.
2	90%	Less than 15 days or more before the formally-notified last date of admission.
3	80%	15 days or less after the formally-notified last date of admission.
4	50%	30 days or less, but more than 15 days after the formally-notified last date of admission.
5	00%	More than 30 days after the formally-notified last date of admission.

CAUTION MONEY

- In case, a candidate leaves the Sansthan in the middle of the course, without completing it, none of the fees deposited by him, except the Security Amount, shall be returnable to him.
- Caution money will be paid back after the declaration of result or at the sessionend. However, if a student takes back the said money during the session, the admission of the student will stand cancelled and he/she will not be re-admitted in any case.

ATTENDANCE & LEAVE RULES

Regular attendance of all the classes is compulsory for the students. The name of the student is liable to be struck off in case he absents himself from the classes continuously for ten days or more without applying, in writing, for leave of absence. The Principal may order readmission of such student, provided, he is satisfied with the student's explanation of reasons for the unauthorized absence. In such case, the student shall have to deposit his admission charges afresh.

A student must have 75% attendance in order to be able to sit in the examination of Prak Shastri, Shastri & Acharya, i.e. a student will be allowed leave only for a maximum of 25 per cent of total lecture days in one academic session (in case of annual system) or

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

one academic semester (in case of semester system). This leave will be admissible with prior permission of the principal on following grounds

- a) 10-days leave without medical certificate, on the recommendation of the Head of the Department.
- b) 20-days medical leave for which a medical certificate of sickness and fitness has been obtained from a registered medical practitioner.

Note: Above-mentioned benefit of both types shall be admissible for whole session and not for one semester. If a student avails the full benefit of said leaves in first semester of the session he/she will not be able to avail any benefit in next semester.i.e. a student will be allowed leave only for a maximum of 20% in theory papers and 10% in practical activities by the Director/Principal on the recommendation of Head of department.

No other leave will be admissible to these students. Relaxation in Compulsory Attendance with reference to Examination.

- a) The Vice-Chancellor may grant relaxation upto 5% out of the total attendance required. The Principals of concerned campuses/colleges/Adarsh Vidyapeethas will forward such cases to the Vice-Chancellor giving valid reasons for grant of relaxation.
- b) In transfer cases, the student shall get the benefit of attendance at the previous campus or institution, but the students studying in preliminary course through correspondence mode shall be governed by the rules notified for them by the CSU from time to time.
- c) Inspire of meeting the above criteria, the student who has been rusticated or found ineligible to take examination for certain period from the CSU, shall not be allowed to sit in any examination of the Sansthan.
- d) The student, who has 75% or more attendance, is unable to sit in the examination due to ill-health and produces a medical certificate regarding his sickness and medical certificate certifying his fitness from a registered medical practitioner, shall be allowed to sit in the next examination as a former student. He may attend classes but shall not be entitled to scholarship.

Note: Appearing in two examinations at the same time, whether conducted by the CSU or any other educational institution, is not permitted. Every student shall have to obtain his degree in five attempts within five years of his first admission.

DISCIPLINE-

The conduct of the students should be top-class so that they add to the reputation of the CSU. They should not smoke, drink or use other forms of tobacco, or intoxicating drugs. They are expected to take part in the various academic activities being conducted in the campus. In case, any student damages any property of the campus, he may lose his admission and the amount of damage shall be recovered from him.

CODE OF CONDUCT-

The students of the Campus shall strictly follow, in totality the code of conduct given below.

- a) The Vice-Chancellor may grant relaxation upto 5% out of the total attendance required. The Principals of concerned campuses/colleges/Adarsh Vidyapeethas will forward such cases to the Vice-Chancellor giving valid reasons for grant of relaxation.
 1. All the students shall practice self-discipline and attend the classes regularly.
 2. Those who violate the discipline shall be duly punished as per rules. Those held guilty of serious violations may be punished with rustication, if recommended by the Discipline Committee of the Campus.
 3. Any one damaging campus property shall invite disciplinary action against himself/herself, and shall be held liable to compensate the campus for the losses caused.
 4. It is expected of the campus students that they shall maintain the dignity of the campus. With this in mind, they are exhorted to stay away from any such undesirable activities which may go against the dignity of the campus.
 5. The students of the campus should not take part in politics.
 6. The discipline committee of the campus may punish the student who spreads, or causes to spread violence, disturbs peace, or tries to force his/her own ideas upon others.
 7. The decision of the Principal, upon the recommendations of the Discipline Committee, shall be final.
 8. Use of mobile phones during the classes is banned.

ANTI-RAGGING REGULATIONS-

Anti-ragging Committees shall be constituted in all the campus in pursuance of U.G.C. Anti-ragging Regulation – 2009, Rule 6-3 (A) dated 17 June, 2009. As per the Section 7 of the U.G.C. Anti-ragging Regulation – 2009, ragging includes the following acts as acts of crime and would invite punishment under rules:

1. To incite someone for ragging.
2. To engage in criminal conspiracy for ragging.
3. To assemble and cause disturbance to peace for ragging.
4. To obstruct public movement for ragging.
5. To violate morality and dignity for ragging.
6. To cause physical injury.
7. To cause undue obstruction.
8. To resort to criminal use of force.
9. To cause physical, sexual or unnatural offence.
10. To forcible grab somebody or something.
11. To trespass with criminal intent.
12. To indulge in property related offences.
13. To criminally intimidate someone.
14. To indulge in any of the above-mentioned offences against people in difficult situation.
15. To threaten victims of one or many of the offences mentioned above.
16. To insult someone physically or mentally.
17. All the offences defined as ragging.

What constitutes ragging -

Any one or more than one of the following acts would constitute ragging

- a) Verbal, written, or physical torture or misbehaviour with new student/s by senior student/s.
- b) Creation of an atmosphere of indiscipline and terror by the student/s which may cause hardship, agitation, difficulty, or physical or mental anguish to new student/s.

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

- c) To ask the student to do any act which he normally does not do and which may create a feeling of shame, anguish or fear.
- d) Any act by senior student/s which obstructs an ongoing academic activity being carried on by any other or new student.
- e) To exploit any or new student/s by forcing him/her to do the academic work given to some other student/s.
- f) To subject any student to economic exploitation in any manner.
- g) Any activity involving physical exploitation/ any kind of sexual exploitation/ same sex assault / removal of clothes or dress to expose body / to force into obscene, or sexual activity / expression of indecent through physical gestures / any kind of physical torture which may harm someone's body or health.
- h) To abuse someone verbally, e-mail, mail / to insult publically / or torture/ to create sensations which may create a fear psychosis among student/s / new students
- i) Any act which may adversely affect the mind or confidence of any new student.
- j) To encourage a student on evil path or to try to dominate him/her.
- k) Toll free number for prohibition of Ragging - 1800-180-5522 Telephone No.09871170303, 09818400116 only for Urgency Websitewww.antiragging.in

Actions to be initiated on receipt of information regarding ragging incident-

Upon receiving the information, from the Anti-ragging Committee or any other source, of any ragging incident having taken place, the head of the institution should, first of all, confirm the veracity of the information. If the information is found to be true, he should get an FIR registered within 24 hrs of receiving the information, or proceed according to the local law against ragging. Administrative action on ragging incidents -

As per the Anti-ragging Act-2009 rule 9.1(B), there is a provision of following punishments for the students found to be indulging in ragging:

The institute must act against the student/s found to be guilty of ragging, as per the following procedure.

- a) The Anti-ragging Committee of the Campus shall take appropriate decision in the matter, or going by the seriousness of the ragging incident, shall recommend to the Principal, an appropriate punishment for the guilty.

- b) The Anti-ragging Committee shall take into consideration the nature and seriousness of the ragging offense and recommend any of the following punishments:
- I. Suspension from class attendance and other academic rights.
 - II. Suspension of scholarship and other benefits.
 - III. Stopping from appearing in any test, examination or other evaluation process.
 - IV. Stopping of the declaration of result.
 - V. Stopping from representing the institution in any regional, national or international meet, sport, youth festival etc.
 - VI. Expulsion from hostel.
 - VII. Cancellation of admission.
 - VIII. Rustication from the institution for four years.
 - IX. Expulsion from the campus for a certain period of time. In case, the culprits are not identified, the campus may resort to collective punishment.
- c) The appeal against the punishment awarded by the Anti-ragging Committee may be made before the following authorities:
- I. The Vice Chancellor, if the institute is affiliated to the University.
 - II. The Chancellor, if the punishment has been awarded by the University.
 - III. The Chairman or the Chancellor, if the institute awarding the punishment is an institution of national importance created by an act of the Parliament.

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्राक्शास्त्री में उपलब्ध स्थान का विवरण

क्र.सं.	परिसर का नाम	कुल स्थान
1	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	99
2	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	99
3	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	44
4	जयपुर परिसर, जयपुर	121
5	लखनऊ परिसर, लखनऊ	88
6	वेद व्यास परिसर, बलाहर	99
7	भोपाल परिसर, भोपाल	99
8	नासिक परिसर, नासिक	22
9	एकलव्य परिसर, अगरतला	66
10	शास्त्र समुत्कर्ष केन्द्र, श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	88
11	शास्त्र समुत्कर्ष केन्द्र, राजीव गान्धी परिसर, शृङ्गेरी,	55
	योग	880

Important Links:

For Admission: <https://sanskrit.nic.in/admissions.php>

For Syllabus: https://sanskrit.ac.in/syllabus_2026/prak_shastri_syllabus.php

Contact us: <https://sanskrit.nic.in/contact.php>

Important Contacts :

Admission Cell	admission.support@sanskrit.ac.in
Academic	academic@sanskrit.ac.in
Dean Students Welfare	deansw@sanskrit.ac.in
Examination	exams@sanskrit.ac.in